रहती है उनके संग संग जग जननी सीता मैया

मेरे राम के चरण को मन में बसा लो भैया,
रहती हैं उनके संग संग जग जननी सीता मैया.....

मिट जाएगी निराशा, आशा तेरी जागेगी,
तेरे काम होंगे पूरे, झोली तेरी भरेगी,
पतवार थाम लेंगे, सारे जग के है खेवैया,
रहती हैं उनके संग संग जग जननी सीता मैया,
मेरे राम के चरण को मन में बसा लो भैया,
रहती हैं उनके संग संग जग जननी सीता मैया.....

ये है प्रभु करुणाकर, करते कृपा कृपाकर,
इन्हें तीन लोक ध्यावे, श्री शिव प्रभु प्रभाकर,
ये दास है शरण में, भव पार करें नैया,
रहती है उनके संग संग जग जननी सीता मैया,
मेरे राम के चरण को मन में बसा लो भैया,
रहती हैं उनके संग संग जग जननी सीता मैया.....

जो मिल जाए गर दास को चरणों की थोड़ी छैया
रहती है उनके संग संग जग जननी सीता मैया
मेरे राम के चरण को मन में बसा लो भैया,
रहती है उनके संग संग जग जननी सीता मैया,
मेरे राम के चरण को मन में बसा लो भैया,
रहती हैं उनके संग संग जग जननी सीता मैया.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27259/title/rehti-hai-unke-sang-sang-jag-janni-sita-mayia

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |